तिराना में गूंजा मध्यप्रदेश का नाम : “Muhamet Malo” International Wrestling Tournament में प्रियांशी परजापत ने जीता रजत पदक

50 किलोग्राम वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन, अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया प्रदेश का गौरव

भोपाल, 27 फरवरी 2026

अल्बानिया के तिराना में आयोजित 2nd Ranking Series – “Muhamet Malo” International Wrestling Tournament में मध्यप्रदेश राज्य कुश्ती अकादमी की पूर्व खिलाड़ी प्रियांशी प्रजापत ने 50 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अर्जित किया है। यह उपलब्धि मध्यप्रदेश के खेल इतिहास में एक गौरवपूर्ण क्षण के रूप में दर्ज हुई है।

प्रियांशी की यह सफलता उनकी निरंतर साधना, अनुशासित प्रशिक्षण एवं अटूट संकल्प का प्रतिफल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल प्रदेश बल्कि देश का मान बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का सशक्त स्रोत है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर मध्यप्रदेश की दमदार उपस्थिति

तिराना में आयोजित यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग प्रतियोगिता विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के मध्य उच्च प्रतिस्पर्धा का महत्वपूर्ण मंच है। इस स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रजत पदक अर्जित करना मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभा की वैश्विक पहचान को और सुदृढ़ करता है। प्रियांशी का यह प्रदर्शन दर्शाता है कि प्रदेश की खेल अकादमियाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली प्रतिभाओं को तैयार करने में निरंतर अग्रसर हैं।

मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने दी बधाई

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने प्रियांशी प्रजापत को रजत पदक अर्जित करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि

मध्यप्रदेश की सुदृढ़ खेल नीति, उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं एवं खिलाड़ियों को प्रदान किए जा रहे प्रोत्साहन का सकारात्मक परिणाम है। मंत्री श्री सारंग ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के खिलाड़ी भविष्य में भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करते रहेंगे।

अकादमी की प्रतिबद्धता और मार्गदर्शन

मध्यप्रदेश राज्य कुश्ती अकादमी द्वारा खिलाड़ियों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धति, अनुभवी प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन तथा आधुनिक अधोसंरचना उपलब्ध कराई जा रही है। प्रियांशी प्रजापत की उपलब्धि अकादमी की समर्पित प्रशिक्षण व्यवस्था एवं खेलोन्मुखी वातावरण का सजीव उदाहरण है।

प्रियांशी की यह सफलता न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह प्रदेश की खेल उन्नति की निरंतर प्रगति का प्रतीक भी है। यह गौरवपूर्ण क्षण मध्यप्रदेश के युवाओं को खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा और प्रदेश की खेल उपलब्धियों में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा।